



Mirza International Limited

Registered & Head Office:
A-71, Sector-136, Noida
Uttar Pradesh, India-201301
Ph. +91 0120 7158766
CIN : L19129UP1979PLC004821
Email : marketing@mirzaindia.com
Website : www.mirza.co.in

July 4, 2026

BSE Limited Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Mumbai 400 001 Scrip Code: 526642	National Stock Exchange of India Limited Exchange Plaza, Plot No. C/1, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai 400 051 NSE symbol: MIRZAIN
---	---

Dear Sir,

Sub.: Newspaper Advertisement – Notice of 47th Annual General Meeting (AGM)

We hereby enclose the copies of the Newspaper Advertisements regarding notice of 47th AGM of the Company scheduled to be held on Saturday, August 1, 2026 through Video Conferencing / Other Audio Visual Means. The advertisement has been published on Business Standard (English and Hindi) on July 4, 2026.

This will also be hosted on the Company's website at www.mirza.co.in.

This is for your information and record.

For **Mirza International Limited**

Harshita Nagar
Company Secretary & Compliance Officer

Encl.: As above.

आईपीओ में फंडों का मजबूत दांव

ईरान युद्ध के बाद से फंडों ने कुल शेयरों का एक तिहाई खरीदा, जो कई साल का सर्वोच्च स्तर है

सचिन मामपट्टा मुंबई, 3 जुलाई

ईरान युद्ध के बाद से आर्थिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) में कंपनियों की ओर से पेश शेयर बिक्री में म्युचुअल फंडों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी है। असल में, जून में यह हिस्सेदारी कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गई। जो कंपनियों पहली बार शेयर बाजार में आम निवेशकों से रकम जुटाती हैं, वे आईपीओ के जरिये ऐसा करती हैं।



जून 2026 तक 29 फीसदी रहा। ईरान युद्ध के दौरान आए 13 आईपीओ के मामले में यह रुझान और बढ़ गया और 32.3 फीसदी तक पहुंच गया। हाल के समय में बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसलिए, परिसंपत्ति प्रबंधक अब उन कंपनियों पर ध्यान देने को इच्छुक हैं, जिनका बाजार पूंजीकरण 4,000 करोड़ रुपये से कम हो सकता है। यह बात एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्याधिकारी (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग) यतिन सिंह ने कही जिनके पास ऐसे कई इश्यू का काम है। उन्होंने कहा, वे छोटी कंपनियों पर विचार के लिए तैयार हैं।

4,000 करोड़ रुपये से कम बाजार मूल्यांकन वाली कंपनियों को फरवरी के आखिर से लेकर अब तक उनके लिस्टिंग वाले दिनों के बंद भाव के आधार पर औसतन 6.2 फीसदी का फायदा हुआ। 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा एमकेप वाली कंपनियों को औसतन 3.1 फीसदी का लाभ हुआ। इन बड़े आईपीओ में पेश शेयरों का लगभग आधा हिस्सा म्युचुअल फंडों ने खरीदा जबकि 4,000 करोड़ रुपये से कम मूल्यांकन वाली कंपनियों के मामले में यह हिस्सा 10 फीसदी से कम था। लिस्टिंग की प्रक्रिया वाली कई बड़ी कंपनियों को टैरिफ से जुड़ी गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव

से पहले ही सेबी से मंजूरी मिल गई थी। सिंह ने कहा कि उन्होंने पहले जिस मूल्यांकन की उम्मीद की होगी, उसे शायद बदलना पड़े और यह देखा न होगा कि कितनी कंपनियां पहले के मुकाबले कम मूल्यांकन पर सूचीबद्ध होने के लिए तैयार होती हैं। आईपीओ की सूचीबद्धता वाले दिन के बंद भाव के आधार पर मिलने वाला औसत फायदा कम होता जा रहा है। ईरान युद्ध के बाद आए आईपीओ में औसत आधार पर एक अंक में फायदा देखा गया है। 2023 में आवेदन के लिए खुले आईपीओ के लिए इसी तरह के रोलिंग-आधार पर यह फायदा 12 फीसदी से ज्यादा था और उसी साल की सितंबर तिमाही में यह 49.2

फीसदी तक पहुंच गया था। दुनिया भर में ऐसे सबूत हैं कि 1998 में रूस के डेट डिफॉल्ट (कर्च न चुका पाने) की वजह से बाजार में आई उथल-पुथल के बाद नकदी की चिंताओं के कारण म्युचुअल फंड छोटे आईपीओ से दूर रहे हैं। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के रॉबर्ट पी. बार्टलेट-3 और स्टीवन डेविडॉफ सोलोमन और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के पॉल रोज की 2017 की स्टीडी 'द स्मॉल आईपीओ ऐंड द इन्वेस्टिंग प्रेफरेंसेज ऑफ म्युचुअल फंड्स' के अनुसार म्युचुअल फंड योजनाओं का आकार लगातार बढ़ा होना भी इसकी एक वजह रहा है। इस रुझान को देखते हुए किसी सफल छोटे आईपीओ में भी बड़े फंड की हिस्सेदारी को कुशलता से ट्रेड करने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है, जबकि फंड के रिटर्न में इसका योगदान बहुत कम होता है। नकदी की कमी और रिटर्न में योगदान से जुड़ी इन दो चिंताओं का नतीजा यह हुआ कि बड़े म्युचुअल फंड, जो कभी छोटे आईपीओ की मांग का मुख्य स्रोत थे, तेजी से और लंबे समय तक छोटे आईपीओ बाजार से बाहर हो गए। इससे छोटे आईपीओ में तरलता की कमी की समस्या और भी बढ़ गई।

एफपीआई और एफवीसीआई से रुपये में शुल्क वसूलने की तैयारी

खुशरू तिवारी मुंबई, 3 जुलाई

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और विदेशी उद्यम पूंजी निवेशकों (एफवीसीआई) से नियामकीय शुल्क रुपये में लेने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में नियामक को शुल्क भुगतान डॉलर में करने की सुविधा है। यह जानकारी सेबी की बोर्ड बैठक के दस्तावेज से मिली है।

बाजार नियामक ने वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई और एफवीसीआई से पंजीकरण, निरंतरता और अन्य शुल्कों के रूप में कुल 1.29 करोड़ डॉलर (लगभग 108 करोड़ रुपये) एकत्र किए। इस राशि में मूल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी शामिल है। इसके अलावा, नियामक ने पाया है कि कई मामलों में डॉलर भेजने के दौरान लगने वाले शुल्क और उसके बाद के रूपांतरण शुल्क से प्राप्त शुल्क में कमी या मिलान के दौरान विसंगतियां हो सकती हैं। दस्तावेजों के अनुसार नियामक की यह चर्चा डॉलर में प्राप्त शुल्क के लिए मैच्युअल अकाउंटिंग और चालान जैसी समस्याओं के कारण हो रही है, जिनमें काफी समय लगता है और वित्तीय रिपोर्टिंग में देरी होती है। सेबी ने विलंब की स्थिति में नियामक के लिए अवसर लागत और डेटा मिलान के मामले में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय में लगने वाले मानव-घंटों पर भी चिंता जताई है। दस्तावेज में कहा गया है, 'एफपीआई और एफवीसीआई को पंजीकरण मिलने से पहले बोर्ड द्वारा रुपये में तय किए गए शुल्क के बराबर विदेशी मुद्रा में पंजीकरण शुल्क नामित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट को चुकाना होगा।' नामित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट को पंजीकरण की मंजूरी के 5 कार्यदिवस के भीतर सेबी को शुल्क देना होगा।



वर्तमान में श्रेणी-1 एफपीआई और एफवीसीआई के लिए पंजीकरण शुल्क 2,500 डॉलर है। इसे संशोधित कर 2.3 लाख रुपये किया जा सकता है। विलंब शुल्क और नवीनीकरण शुल्क में भी संशोधन की उम्मीद है। एफपीआई के मामले में पंजीकरण 3 साल के लिए और स्वागत-एफआई मार्ग के तहत खास भरोसेमंद एफपीआई के लिए यह 10 साल के लिए होता है। एफवीसीआई को 5 साल के लिए पंजीकरण दिया जाता है। एक अन्य संचालन बदलाव के तहत नियामक एफपीआई पंजीकरण के लिए सामान्य आवेदन पत्र में जन्म तिथि या निगमन की तिथि या समझौते की तिथि या ट्रस्ट डीड या ऐसे किसी भी गठन या साझेदारी की तिथि को शामिल कर सकता है। यह कदम केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की मार्च में जारी उस अधिसूचना के बाद उठाया गया है, जिनमें विदेशी संस्थाओं के लिए एन पैन आवेदन फॉर्म की बात कही गई है, जिनके लिए जन्म तिथि और कंपनी के पंजीकरण का सबूत देना जरूरी है। चूंकि सीएफ का इस्तेमाल एफपीआई द्वारा पैन के लिए आवेदन करने और बैंक व डीमैट खाते खोलने जैसे कामों के लिए होता है, इसलिए इसमें कंपनी के गठन की तारीख भी शामिल की जा सकती है। इस कदम से नियमों का पालन करने और उन्हें जोड़ने की प्रक्रियाओं को आसान बनाने की उम्मीद है।

म्युचुअल फंडों के निवेश से पूंजी बाजार को दम

कृति अंबे नई दिल्ली, 3 जुलाई

बाजार नियामक सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अमरजीत सिंह का कहना है कि म्युचुअल फंडों की लोकप्रियता के कारण घरेलू संस्थागत निवेशक भारतीय पूंजी बाजार के लिए बड़ी और स्थिरता देने वाली ताकत बनकर उभरे हैं। ये निवेशक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की धन निकासी की वजह से पैदा वैश्विक अस्थिरता के बीच बाजार को मजबूती प्रदान करते हैं।

सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एसोचैम के 17वें म्युचुअल फंड समिट में कहा, एफपीआई की निकासी के दौरान घरेलू निवेशकों को लगातार भागीदारी ने एक अहम संतुलनकारी ताकत के रूप में काम किया है। सिंह ने कहा, सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) इस मजबूती का एक अहम हिस्सा बन गए हैं।

सेबी के अधिकारी ने बताया कि मार्च 2026 में दुनिया भर में भारी अनिश्चितता के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयरों में करीब 1.43 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जबकि सिर्फ इक्विटी म्युचुअल फंडों में ही लगभग 43,000 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका-ईरान तनाव के बाद भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण मार्च में भारतीय पूंजी बाजार से एफपीआई ने 13 अरब डॉलर की निकासी की। सिंह के अनुसार हाल के समय में बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान घरेलू निवेशकों, खासकर म्युचुअल फंडों, की मजबूती और उनका



फंडों की बढ़ती भागीदारी

■ मार्च 2026 में दुनिया भर में भारी अनिश्चितता के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयरों में करीब 1.43 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया

■ अमेरिका-ईरान तनाव के बाद भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण मार्च में भारतीय पूंजी बाजार से एफपीआई ने 13 अरब डॉलर की निकासी की

दीर्घावधि नजरिया काफी स्पष्ट हुआ। सिंह ने कहा, भारत में म्युचुअल फंड उद्योग हमारे वित्तीय बाजार में अहम ताकत बनकर उभरा है। यह उद्योग परिवारों को लंबे समय में संपत्ति बनाने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि फंड उद्योग आम नागरिकों को देश की आर्थिक तरक्की में शामिल होने का मौका दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उतार-चढ़ाव भरे समय में निवेशकों का धैर्य अहम बात रही है। सिंह ने बताया कि होल्डिंग-पीरियड के एनालिसिस से पता चलता है कि खुदरा निवेशकों में लंबे समय के लिए निवेश

करने का रुझान बढ़ रहा है। खुदरा प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों का 61 फीसदी से ज्यादा हिस्सा 24 महीनों से ज्यादा समय तक निवेशित रहा है। उन्होंने कहा, यह एक उत्साहजनक संकेत है कि म्युचुअल फंडों का इस्तेमाल अब बाजार में अल्पावधि के मौकों के बजाय लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ज्यादा किया जा रहा है। लेकिन इन उत्साहजनक रुझानों के बावजूद भारत में म्युचुअल फंडों की पहुंच बढ़ाने की अभी भी काफी गुंजाइश है। उन्होंने बताया कि भारत की 5 फीसदी से

भी कम आबादी म्युचुअल फंडों में निवेश करती है। सिंह ने कहा, इसलिए म्युचुअल फंड उद्योग की भविष्य की वृद्धि अलग-अलग इलाकों, आय श्रेणियों और आबादी समूहों के निवेशकों तक पहुंचने पर निर्भर करेगी। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि निवेश के फैसले वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम लेने की क्षमता और निवेश की अवधि के आधार पर लिए जाने चाहिए, न कि इस समय में चल रहे अल्पावधि रुझानों के आधार पर। सेबी के अधिकारी ने कहा, ऐसे माहौल में जहां सोशल मीडिया आकर्षक रिटर्न को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा सकता है और कुछ छूट जाने का डर पैदा कर सकता है, वहीं लाइफ साइकल फंड जैसी लक्ष्य-आधारित योजनाएं निवेशकों को सही ऐसैट एलोकेशन और लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों पर फोकस में मदद कर सकती हैं। एसआईपी के बाद, पिछले साल ही शुरू किए गए 'स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड' (एसआईएफ) भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि एक अच्छे नियमन वाली व्यवस्था के भीतर अलग-अलग तरह के निवेश समाधानों में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 31 मई तक एसआईएफ ने करीब 56,000 निवेशक फोलियो के जरिए लगभग 13,500 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां हासिल कर ली हैं। अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि मैं एसआईएफ को एक योजना के तौर पर बढ़ावा नहीं दे रहा हूँ और इस मामले में तटस्थ हूँ। मैं बस यह बता रहा हूँ कि कैसे एक नई श्रेणी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है।

गिफ्ट सिटी से पहला फिजिकल गोल्ड फंड

शिल्पा रंगराजन मुंबई, 3 जुलाई

करीब 75 करोड़ डॉलर की फंड प्रबंधन कंपनी अर्थ भारत इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स आईएफएससी ने शुक्रवार को भारत के पहले इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेस सेंटर (आईएफएससी) यानी गिफ्ट सिटी में पहला फिजिकल क्रमोडिटी फंड 'अर्थ भारत फिनमेट फिजिकल गोल्ड फंड' पेश करने की घोषणा की। यह योजना सिंगापुर की कीमती धातुओं की विशेषज्ञ कंपनी फिनमेट के साथ मिलकर चलाई जा रही है, जो इस ओपन-एंडेड पैसिव फंड के लिए निवेश सलाहकार के तौर पर काम करती है। यह फंड अपने की अंतरराष्ट्रीय हाजिर कीमतों को ट्रैक करेगा और सोने की कम से कम 95 प्रतिशत संपत्ति को लॉन्ड बुलियन एसोसिएशन (एलबीएमए) स्टैंडर्ड वाले गोल्ड बार में लगाएगा, जिनका कारोबार गिफ्ट-आईएफएससी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएस) पर होता है।

कुसुमगर ने तय किया आईपीओ का कीमत दायरा

सिंधोटैक टेक्सटाइल निर्माता कुसुमगर ने अपने 650 करोड़ रुपये के आर्थिक सार्वजनिक निगम के लिए 398 से 419 रुपये प्रति शेयर का कीमत दायरा तय किया है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है और पूरी रकम बिक्री करने वाले प्रवर्तकों को जाएगी। यह आईपीओ 8 जुलाई को खुलकर 10 जुलाई को बंद होगा। निवेशक 35 शेयर या इसके गुणक में बोली लगा सकेंगे।

रही जबकि टेक महिंद्रा 1.81 फीसदी चढ़ा। इसके अलावा भारती एयरटेल, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक में भी बढ़त रही। दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 655.4 अंक चढ़कर 78,157.52 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई निफ्टी 95.15 अंक यानी 0.39 फीसदी बढ़कर 24,270.85 अंक पर टिका। सेंसेक्स की कंपनियों में से एचसीएल टेक में सर्वाधिक 5.79 फीसदी की तेजी

शेयर बाजार में लगातार तीसरे सत्र में तेजी, सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में तेजी और अमेरिका के रोजगार के कमजोर आंकड़ों से मौद्रिक सख्ती की उम्मीद कम होने के बीच शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार तीसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद रहा। सेंसेक्स में 262 अंक और निफ्टी में 95 अंक की तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक यानी 0.34 फीसदी चढ़कर 77,763.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 655.4 अंक चढ़कर 78,157.52 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई निफ्टी 95.15 अंक यानी 0.39 फीसदी बढ़कर 24,270.85 अंक पर टिका। सेंसेक्स की कंपनियों में से एचसीएल टेक में सर्वाधिक 5.79 फीसदी की तेजी

रही जबकि टेक महिंद्रा 1.81 फीसदी चढ़ा। इसके अलावा भारती एयरटेल, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक में भी बढ़त रही। दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 655.4 अंक चढ़कर 78,157.52 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई निफ्टी 95.15 अंक यानी 0.39 फीसदी बढ़कर 24,270.85 अंक पर टिका। सेंसेक्स की कंपनियों में से एचसीएल टेक में सर्वाधिक 5.79 फीसदी की तेजी

सम्मेलन के सकारात्मक नतीजों और आईटी क्षेत्र में जारी सुधार से भी बाजार धारणा को समर्थन मिला। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में नरमी एक अहम कारक बनी हुई है। बीएसई मिडकैप सिलेक्ट सूचकांक में 0.46 फीसदी की गिरावट रही जबकि स्मालकैप सूचकांक 0.33 फीसदी गिरकर बंद हुआ। क्षेत्रवार सूचकांकों में रियल्टी खंड में सर्वाधिक 2.22 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई जबकि फोकस आईटी खंड में 1.74 फीसदी, आईटी खंड में 1.55 फीसदी और स्वास्थ्य सेवा खंड में 1.31 फीसदी की तेजी रही। दूसरी तरफ बिजली खंड में 2.39 फीसदी और पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.26 फीसदी की गिरावट रही।

सोने में 3,300 रु. की उछाल, चांदी 5,000 रु. मजबूत

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत फिर से 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गई। लगातार दूसरे सत्र में इसमें 3,300 रुपये की बढ़ोतरी हुई, क्योंकि वैश्विक बाजार में मजबूती और कमजोर डॉलर ने सराफा की मांग को बढ़ा दिया। दिल्ली में 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 3,300 रुपये यानी 2.2 फीसदी बढ़कर 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई, जबकि पिछले सत्र में यह 1,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत में भी लगातार चौथे सत्र में बढ़ोतरी हुई और यह 5,000 रुपये यानी 2.08 फीसदी बढ़कर 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। पिछले सत्र में चांदी 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्वोरिटीज के चरिष्ट विश्लेषक (जिस) सीमित गांधी ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेजी के कारण शुक्रवार को सोने की कीमतों में और बढ़ोतरी हुई। कमजोर अमेरिकी डॉलर और ब्याज दरों में तेजी से बढ़ोतरी की कम संभावनाओं ने कीमतों को ऊपर बढ़ाया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोने की कीमत 57.58 डॉलर यानी 1.4 प्रतिशत बढ़कर 4,181.50 डॉलर प्रति औंस हो गई और चांदी की कीमत 2.44 फीसदी बढ़कर 62.45 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड

CIN: L19129UP1979PLC004821
पंजीकृत कार्यालय: ए 71, सेक्टर 136, 201 301, उत्तर प्रदेश।
दूरभाष: +91 120 7158766
वेबसाइट: www.mirza.co.in; ई-मेल: compliance@mirzaindia.com

कंपनी के शेयरधारकों को 47वीं वार्षिक आम बैठक और ई-वोटिंग की जानकारी के बारे में सूचना

एतद्वारा ज़रिए सूचना दी जाती है कि कंपनी की 47वीं सालाना आम बैठक ("AGM") **शनिवार, 1 अगस्त 2026 को सुबह 11:30 बजे (IST)** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("VC")/अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों ("OAVM") के ज़रिए आयोजित की जाएगी। यह आयोजन कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बने नियमों, SEBI (लिस्टिंग ऑब्जेक्शंस एंड डिस्कलोजर रिक्वायरमेंट्स) रेगुलेशन्स, 2015 ("लिस्टिंग रेगुलेशन्स") और मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ("MCA") के जनरल सर्कुलर नंबर 14/2020 (8 अप्रैल 2020), 17/2020 (13 अप्रैल 2020), 20/2020 (5 मई 2020) और इस संबंध में जारी बाद के सर्कुलर (जिनमें सबसे नया 03/2025 है, तारीख 22 सितंबर 2025; इन सबको सामूहिक रूप से "MCA सर्कुलर" कहा गया है) के प्रावधानों के अनुसार होगा। इसमें सदस्यों की भौतिक उपस्थिति नहीं होगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड ऑडिटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट, साथ ही नोटिस, डायरेक्टर्स की रिपोर्ट, मैनेजमेंट डिस्कशन एंड एनालिसिस, कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट, ऑडिटर्स की रिपोर्ट और अन्य ज़रूरी दस्तावेज़ 3 जुलाई 2026 को इलेक्ट्रॉनिक रूप से केवल उन सदस्यों को भेजे गए हैं जिनके ईमेल पते कंपनी / कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट के पास रजिस्टर्ड हैं। इसलिए, सदस्य केवल VC/OAVM के ज़रिए ही AGM में शामिल हो सकते हैं और भाग ले सकते हैं। AGM का नोटिस और ऊपर बताए गए दस्तावेज़ कंपनी की वेबसाइट www.mirza.co.in पर, BSE लिमिटेड ("BSE") और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("NSE") की वेबसाइटों (क्रमशः www.bseindia.com और www.nseindia.com) पर और NSDL की वेबसाइट <https://www.evoting.nsdl.com> पर उपलब्ध हैं। VC/OAVM सुविधा में भाग लेने वाले सदस्यों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 103 के तहत कोरम (गणपूति) की गिनती के लिए शामिल किया जाएगा।

AGM के नोटिस में बताए गए दस्तावेज़, नोटिस जारी होने की तारीख से सदस्यों द्वारा देखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध हैं। जो सदस्य इन दस्तावेज़ों को देखना चाहते हैं, वे compliance@mirzaindia.com पर ईमेल भेज सकते हैं।

रिमोट ई-वोटिंग और AGM के दौरान ई-वोटिंग: कंपनी अपने सदस्यों को AGM में पास किए जाने वाले प्रस्तावों पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम ("ई-वोटिंग") से वोट करने का अधिकार इस्तेमाल करने की सुविधा दे रही है। सदस्य नीचे बताई गई तारीखों पर दूर से (रिमोटली) अपना वोट डाल सकते हैं ("रिमोट ई-वोटिंग")। कंपनी ने ई-वोटिंग सुविधा देने के लिए नेशनल सिक्वोरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) को एजेंसी के तौर पर नियुक्त किया है।

वोटिंग के तरीके से जुड़ी जानकारी और निर्देश, जिसमें डीमटेरियलाइज़्ड मोड और फिजिकल मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों और जिन सदस्यों ने अपना ईमेल पता रजिस्टर नहीं कराया है, उनके लिए रिमोट वोटिंग की जानकारी AGM के नोटिस में दी गई है। केवल वे सदस्य जिनके नाम शुक्रवार, 24 जुलाई, 2026 को सदस्यों के रजिस्टर में हैं, उन्हें रिमोट ई-वोटिंग के ज़रिए वोट करने की अनुमति होगी। जो सदस्य अपना यूजर आईडी और पासवर्ड भूल गए हैं, वे AGM के नोटिस में बताए गए तरीके से उन्हें प्राप्त/जन्वरेट कर सकते हैं।

रिमोट ई-वोटिंग सुविधा **बुधवार, 29 जुलाई, 2026 को सुबह 9:00 बजे (IST)** शुरू होगी और **शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 को शाम 5:00 बजे (IST)** समाप्त होगी।

बताई गई तारीख और समय के बाद रिमोट ई-वोटिंग की अनुमति नहीं होगी और बताई गई अवधि खत्म होने पर NSDL द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल को तुरंत बंद कर दिया जाएगा। AGM में शामिल होने वाले सदस्य जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग से अपना वोट नहीं डाला है, वे AGM के दौरान रिमोट ई-वोटिंग के ज़रिए वोट कर सकेंगे। सिर्फ वही व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग की सुविधा का लाभ उठा सकता है, जिसका नाम कट-ऑफ तारीख यानी शुक्रवार, 24 जुलाई 2026 को सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज हो।

कोई सदस्य रिमोट ई-वोटिंग के ज़रिए अपना वोट देने के बाद भी सालाना आम बैठक (AGM) में शामिल हो सकता है, लेकिन AGM के दौरान उसे दोबारा वोट देने की इजाज़त नहीं होगी।

ई-मेल पता रजिस्टर/अपडेट करने का तरीका:

- जिन सदस्यों के पास फिजिकल मोड में शेयर हैं और जिन्होंने कंपनी के पास अपना ई-मेल पता रजिस्टर/अपडेट नहीं किया है, उनसे अनुरोध है कि वे AGM नोटिस, सालाना रिपोर्ट और रिमोट वोटिंग/ई-वोटिंग के लिए लॉग-इन डिटेल्स की इलेक्ट्रॉनिक कॉपी पाने के लिए फॉर्म ISR-1 जमा करके कंपनी/RTA के पास अपनी जानकारी रजिस्टर/अपडेट करें और अपना ई-मेल पता व अन्य डिटेल्स रजिस्टर करें।
- जिन सदस्यों के पास डीमटेरियलाइज़्ड मोड में शेयर हैं और जिन्होंने अपना ई-मेल पता रजिस्टर/अपडेट नहीं किया है, उनसे अनुरोध है कि वे उस डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (DP) के पास अपना ई-मेल पता रजिस्टर/अपडेट करें, जहाँ उनका डीमैट अकाउंट है। ई-वोटिंग से जुड़े किसी भी सवाल के लिए, सदस्य N S D L की ई-वोटिंग वेबसाइट <https://www.evoting.nsdl.com> पर 'Downloads' सेक्शन में ड्रॉपडाउन मेनू से उपलब्ध "FAQs" सेक्शन या ई-वोटिंग यूजर मैनुअल देख सकते हैं।

सदस्यों से अनुरोध है कि वे किसी भी सवाल या शिकायत के लिए नीचे दी गई व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं:
हर्षिता नागर - कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

A 71, सेक्टर 136, नोएडा, उत्तर प्रदेश 210301 टेलीफोन: +91 0120 7158766
ईमेल: compliance@mirzaindia.com; वेब: www.mirza.co.in

VC/OAVM के ज़रिए AGM में शामिल होना:
सदस्य NSDL वेबलिक <https://www.evoting.nsdl.com> के ज़रिए VC/OAVM से AGM में शामिल हो सकेंगे। AGM में शामिल होने के लिए ज़रूरी लॉगिन क्रेडेंशियल और अपना जाने वाले स्टैप्स की जानकारी AGM के नोटिस में दी गई है। जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के ज़रिए अपना वोट दिया है, वे भी AGM में शामिल हो सकते हैं, लेकिन AGM के दौरान वे दोबारा वोट नहीं डाल सकेंगे।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड के लिए
एसडी/-
(हर्षिता नागर)
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

स्थान : नोएडा
दिनांक: 04 जुलाई, 2026